बर्दवान
आसनसोल
दुर्गापुर
रानीगंज

शिल्पांचल
卐 ।। श्री हरिः ।। 卐
सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

बंगाल से प्रकाशित पूर्वी भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक

शुक्र
वार

बंगाल
27 दिसम्बर, 2019
पौष शुक्लपक्ष प्रतिपदा 1, विक्रम संवत् 2076
वर्ष 74, अंक 260, पूर्णांक 25731
मूल्य 5.00 रु., कुल पेज 18

www.sanmarg.in

आसनसोल आसपास

ईसीएल कर्मी की मौत : बंकोला कोलियरी में बुधवार की रात पांडवेश्वर खोट्टाडीह निवासी अचिंत कुमार मंडल (54) भूमिगत खदान में कार्य के दौरान सर में चक्कर आने से गिर कर बेहोश हो गये। श्रमिकों ने उसे स्थानीय प्राथमिक चिकित्सालय में दाखिल कराया। डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया।

प्रदर्शन : विस्वानी इंडस्ट्री बिस्कुट फैक्टरी (लिमिटेक्स) बीते 16 सितम्बर से बंद है। श्रमिकों ने बकाया पीएफ एवं ग्रेच्यूटी भुगतान को लेकर बंद फैक्टरी के समक्ष प्रदर्शन किया।

डीपीएस ने किया शीतकालीन कैंप का आयोजन

आसनसोल : दिल्ली पब्लिक स्कूल,आसनसोल, के छात्रों के लिए आयोजित पांच दिवसीय शीतकालीन कैंप समाप्त हो गया। 21 से 25 दिसम्बर तक इसका आयोजन 'माउंटेन लवर्स एसोसिएशन' के प्रशिक्षित प्रशिक्षकों के नेतृत्व में बेरो हिल्स, पुरुलिया में किया गया।

विंटर कैंप में बच्चों को व्यावहारिक जीवन में आनेवाली विषम परिस्थितियों से जूझने एवं उनका सामना करने के गुर सिखाए गए। प्राथमिक चिकित्सा, रिवर क्रॉसिंग, लीड क्लाइम्बिंग, रैपलिंग तकनीकियां, रोप मैनेजमेंट, मल्टी पिच क्लाइम्बिंग तकनीकियां, रूट सेलेक्शन आदि के विषय में छात्रों को जानकारी दी गई। इन गतिविधियों द्वारा छात्रों को कम से कम सुविधाओं में विषमतम परिस्थिति में भी जीवन जीने की कला सिखाई जाती है, ताकि बच्चें जीवन की हर मुश्किल का सामना करने के लिए तैयार हो सके और शारीरिक बलिष्ठता के साथ-साथ मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहे। विद्यालय के क्रीड़ा शिक्षक रोहित प्रसाद यादव और अंग्रेजी भाषा शिक्षक रूद्रदीप सेनगुप्ता ने मार्गदर्शन किया। प्रधानाचार्य आरडी शर्मा ने कैंप की सफलता पर छात्रों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को बधाई दी और कहा कि कक्षा में दी गई शिक्षा को व्यावहारिक रूप देने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की बहुत आवश्यकता है। जब तक शिक्षा को जीवन में लागू नहीं करते तब तक यह मात्र अक्षर ज्ञान है। उन्होंने छात्रों को वर्ष में कम से कम एक बार इस प्रकार के कार्यक्रम का हिस्सा बनने का परामर्श दिया।